हिंदी दिवस पर निदेशक का संदेश

प्रिय नीटीजनों,

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं ।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जन आंदोलन की भाषा प्रमुख रूप से हिंदी थी। अतः हमारी संविधान सभा द्वारा काफी विचार-विमर्श के बाद 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया। संविधान की 8वीं अनुसूची में भारत की अब तक 22 भाषाओं को स्थान मिला है। हिंदी इन भाषाओं के बीच अंतः सूत्र के रूप में विद्यमान है। संघ की राजभाषा नीति का आधार सद्भावना, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन है किंतु संबंधित अनुदेशों का अनुपालन उसी प्रकार दृढ़तापूर्वक किया जाना चाहिए जिस प्रकार अन्य सरकारी अनुदेशों का अनुपालन किया जाता है।

हमारा संस्थान राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में शीर्ष स्थान पर है। हमने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित सभी लक्ष्यों को पूरा कर लिया है जो हमारे जैसे इंजीनियरी एवं प्रबंधन संस्थान के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इन्हीं उपलब्धियों के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने संस्थान को वर्ष 2019-20 हेतु **"राजभाषा कीर्ति पुरस्कार"** देने की घोषणा की है। इससे पहले संस्थान को 6 बार यह पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

आइए, हिंदी दिवस के इस अवसर पर सभी संकाय, अधिकारी और कर्मचारीगण यह संकल्प लें कि हम सभी अपना अधिकाधिक कार्य पूरे उत्साह, लगन और गर्व के साथ राजभाषा हिंदी में कर नीटी को इस क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान दिलाने का कार्य जारी रखेंगे। मुझे आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि हमारे सामूहिक, सार्थक एवं सतत प्रयासों से हम अपना लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगे और देश में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग को नया आयाम देंगे।

जय हिंद। जय हिंदी।

मनोज कुमार तिवारी

(प्रो. मनोज कुमार तिवारी)

निदेशक

नीटी, मुंबई-87.

14 सितंबर, 2020

743924/2020/HRM Office

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
Ramesh Pokhriyal 'Nishank'

सत्यमेव जयते

मंत्री
मानव संसाधन विकास
भारत सरकार
MINISTER
HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

किसी भी देश के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विकास में उस देश की भाषा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह संपूर्ण राष्ट्र की एकता और अखंडता की महत्वपूर्ण कड़ी होती है। भारत के संदर्भ में यह भाषा हिंदी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि - "राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।"

यह वर्ष हमारे देश और हमारे मंत्रालय के लिए ऐतिहासिक है। इस वर्ष देश के भविष्य को गढ़ने वाली, हिंदी व समस्त भारतीय भाषाओं को सुदृढ़ करने वाली और भारत की बहुभाषिकता को रेखांकित करने वाली ऐतिहासिक शिक्षा नीति 2020 की घोषणा की गई है। इस शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा अपनी भाषाओं मे देने संबंधी प्रावधान व अन्य भाषा संबंधी प्रावधानों का देश में व्यापक स्वागत हुआ है। इससे हिंदी और भारतीय भाषाओं के अध्ययन और अध्यापन के व्यापक स्तर पर रास्ते खुले हैं। यह हिंदी व भारतीय भाषाओं के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत है।

हिंदी के राष्ट्रव्यापी विस्तार में हिंदीतर क्षेत्र के राष्ट्रीय नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमें भी अन्य भारतीय भाषाओं से समन्वय, सद्भाव और संवाद के रास्ते से संविधान के अनुच्छेद 351 की भावना के अनुसार राजभाषा के रूप में हिंदी के विकास और समृद्धि में सहयोग देना है।

आज प्रौद्योगिकी का युग है। हम हिंदी के प्रचार -प्रसार में यथासंभव प्रौद्योगिकी का उपयोग करें। हमें भाषा दक्ष होने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी सक्षम भी होना होगा। इससे हमारे काम की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। माननीय प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2015 में भोपाल में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन में हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया है।

हिंदी के विकास और प्रचार-प्रसार की दृष्टि से शिक्षा मंत्रालय अत्यंत महत्वपूर्ण मंत्रालय है। आइए हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर हम प्रतिज्ञा करें कि हम सरकारी कामकाज में अधिक-से-अधिक हिंदी का प्रयोग करेंगे और सभी मन वचन और कर्म से प्रतिबद्ध होकर हिंदी के संवर्द्धन में सहयोग देंगे। हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर मेरी शुभकामनाएँ।

(रमेश पोखरियाल 'निशंक')

स्वच्छ भारत

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115
Phone : 91-11-23782387, 23782698, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.hrd@gov.in